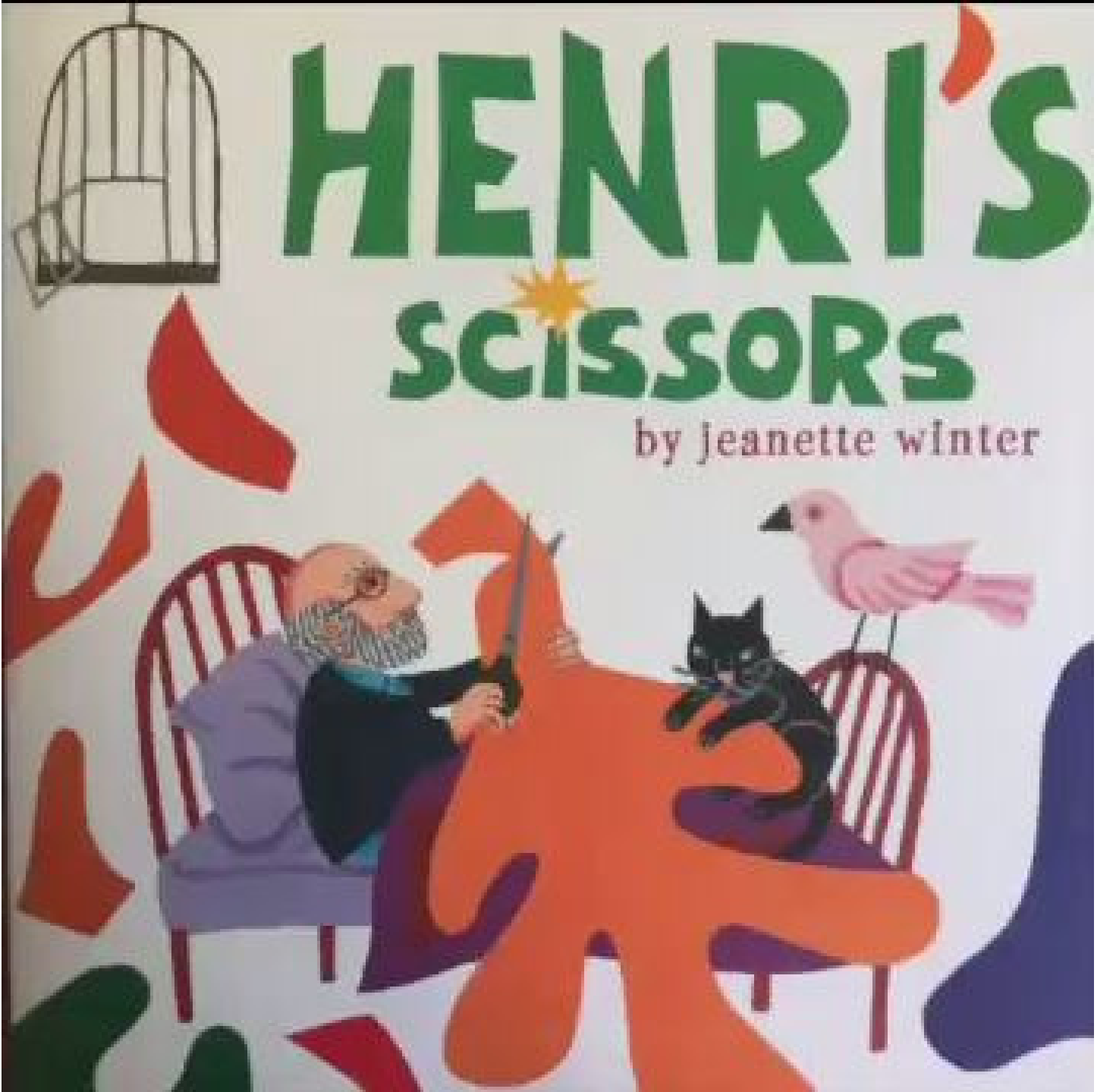


हेनरी की कैंची

जेयानिट विंटर, हिंदी : विदूषक





In a small weaving town in France, a young boy named Henri-Emile-Benoit-Matisse watched his mother paint china. He wanted to paint too.

फ्रांस में बुनकरों के एक छोटे शहर में एक लड़के हेनरी एमिले बेनोइट मतीस ने, अपनी माँ को चीनी-मिट्टी के बर्तनों को रंगते हुए देखा. उसका भी पेंट करना का मन हुआ.



He drew pictures in the sand.

उसने रेत में चित्र बनाये.



He drew pictures in his schoolbook.

उसने स्कूल की कॉपी में चित्र बनाये.



When Henri was a young man, he drew pictures in his law books and on contract deeds, and wills.

जब हेनरी बड़ा हुआ तो वो कानून की मोटी किताबों, ज़मानत के मुचलकों और वसीयतनामों पर भी चित्र बनाता था.



Henri was sick in bed with appendicitis one winter.

His mother gave him a box of paints and he painted until he was well.

एक बार जाड़े के दिनों में हेनरी को पेट में पथरी का ज़बरदस्त दर्द उठा. उसकी माँ ने उसे एक पेंट बॉक्स दिया. फिर तबियत ठीक होने तक, हेनरी चित्र ही बनाता रहा.



He kept on painting, forgot about law, and left his small town to be an artist in Paris.

हेनरी कानून का विषय भूल गया. वो लगातार चित्र ही बनाता रहा. बाद में वो अपना छोटा शहर छोड़कर आर्टिस्ट बनने, पेरिस चला गया.



Henri painted pictures day after day and year after year.

उसके बाद हेनरी, दिनों-दिन और सालों-साल चित्र ही बनाता रहा.



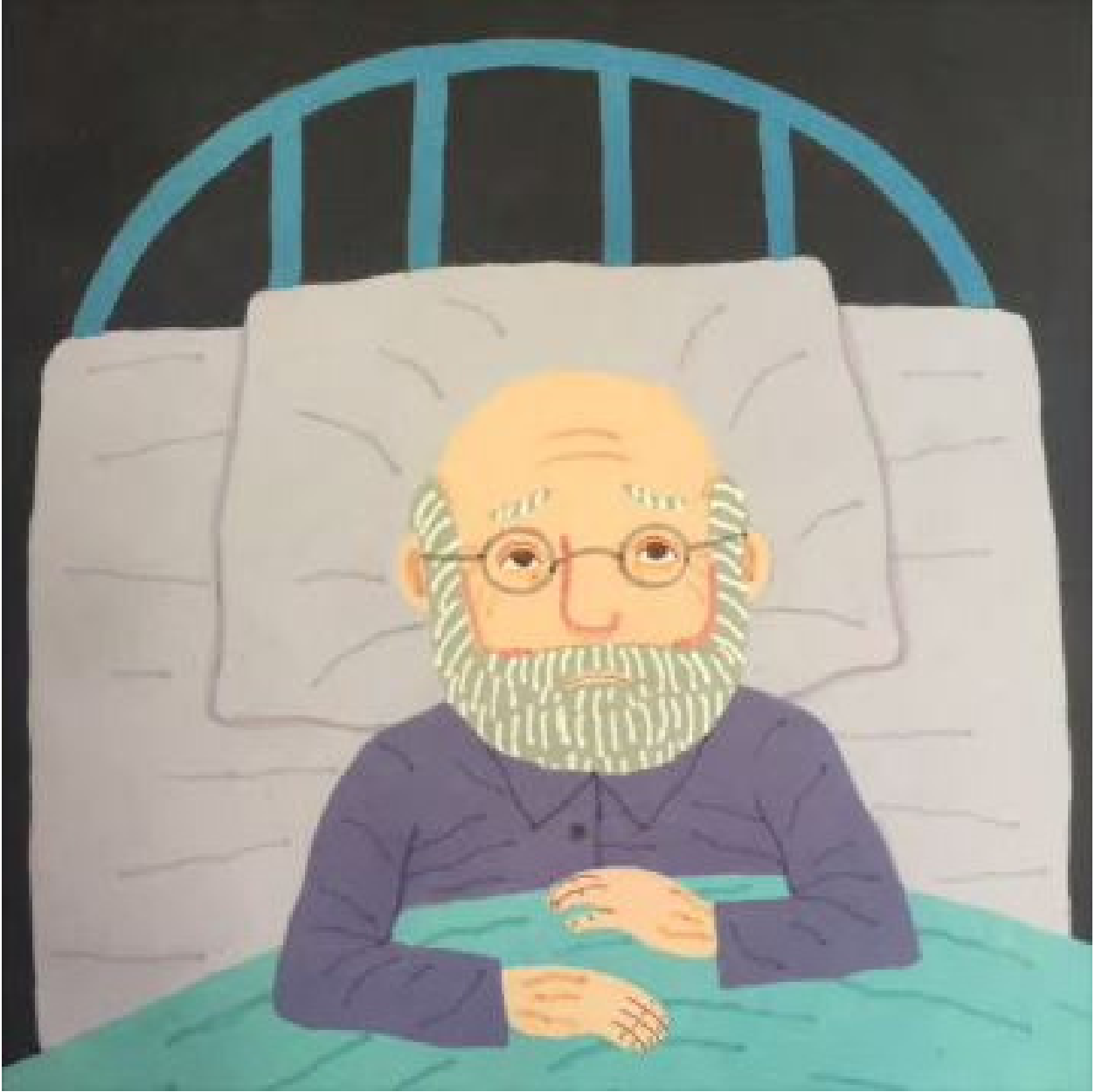
He was happy and his paintings made people happy.

वो बहुत खुश था. उसके चित्रों से लोगों को भी खुशी मिलती थी.



But when Matisse was an old man, he fell ill – so ill he couldn't paint, so ill he couldn't sit up, so ill he could only lie in bed and sleep. His painting floated by in his dreams.

हेनरी मतीस, बुढ़ापे में बीमार पड़ा. उसकी तबियत इतनी खराब हुई कि वो ब्रश तक नहीं उठा पाया. वो पलंग से उठ तक नहीं सका. वो बीमारी में दिनभर पलंग पर लेटा रहता और सोता रहता. पर सपनों में भी उसे अपनी पेंटिंग्स दिखाई देतीं.



Matisse finally opened his eyes and they were filled with sadness. Now he must remain in bed or use a wheelchair. Would he ever have the energy to paint again?

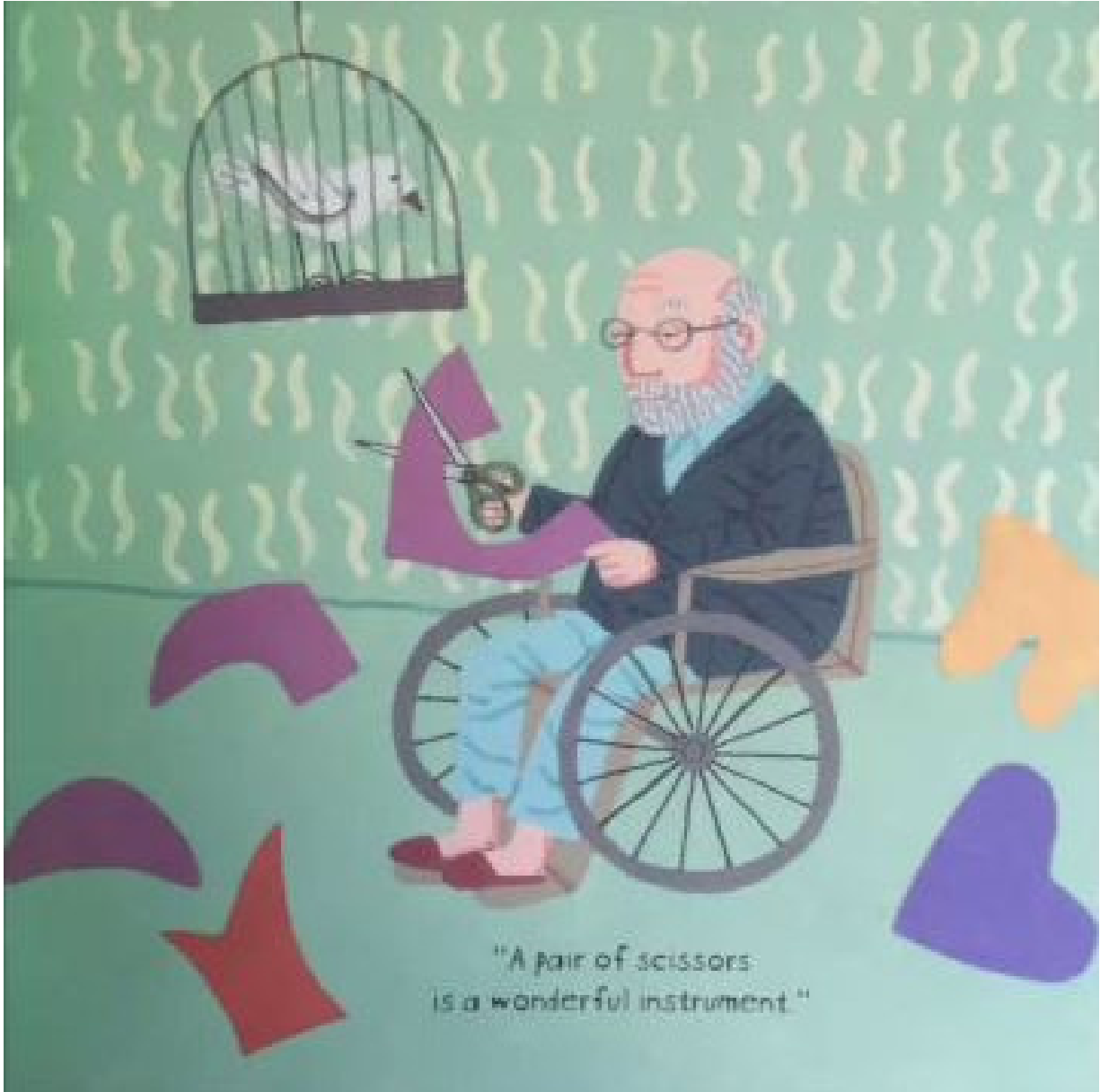
जब मतीस ने अपनी आँखें खोलीं तो वो उदास और दुखी थीं.
अब या तो उसे पलंग पर लेटे रहना पड़ेगा या फिर व्हीलचेयर
इस्तेमाल करनी पड़ेगी.



When Matisse was strong enough to travel, he went to the seaside – the sea air might help him get well.

Before long, he sat up. A little later, he drew.

जब मतीस में यात्रा करने लायक ताकत आई तो वो समुद्र के किनारे गया. शायद समुद्र की हवा उसकी तबियत में कुछ सुधार लाए. पर जल्दी ही वो उठकर दुबारा पेंट करने लगा.



Then one day Matisse picked up a pair of scissors and cut out shapes from painted paper – he was drawing with scissors!

एक दिन मतीस ने कैंची उठाई और एक रंगीन कागज़ से कुछ आकार काटे – दरअसल वो अपनी कैंची से चित्र बना रहा था!



“A pair of scissors is a wonderful instrument!”

“कैंची, एक कमाल का औज़ार है!”

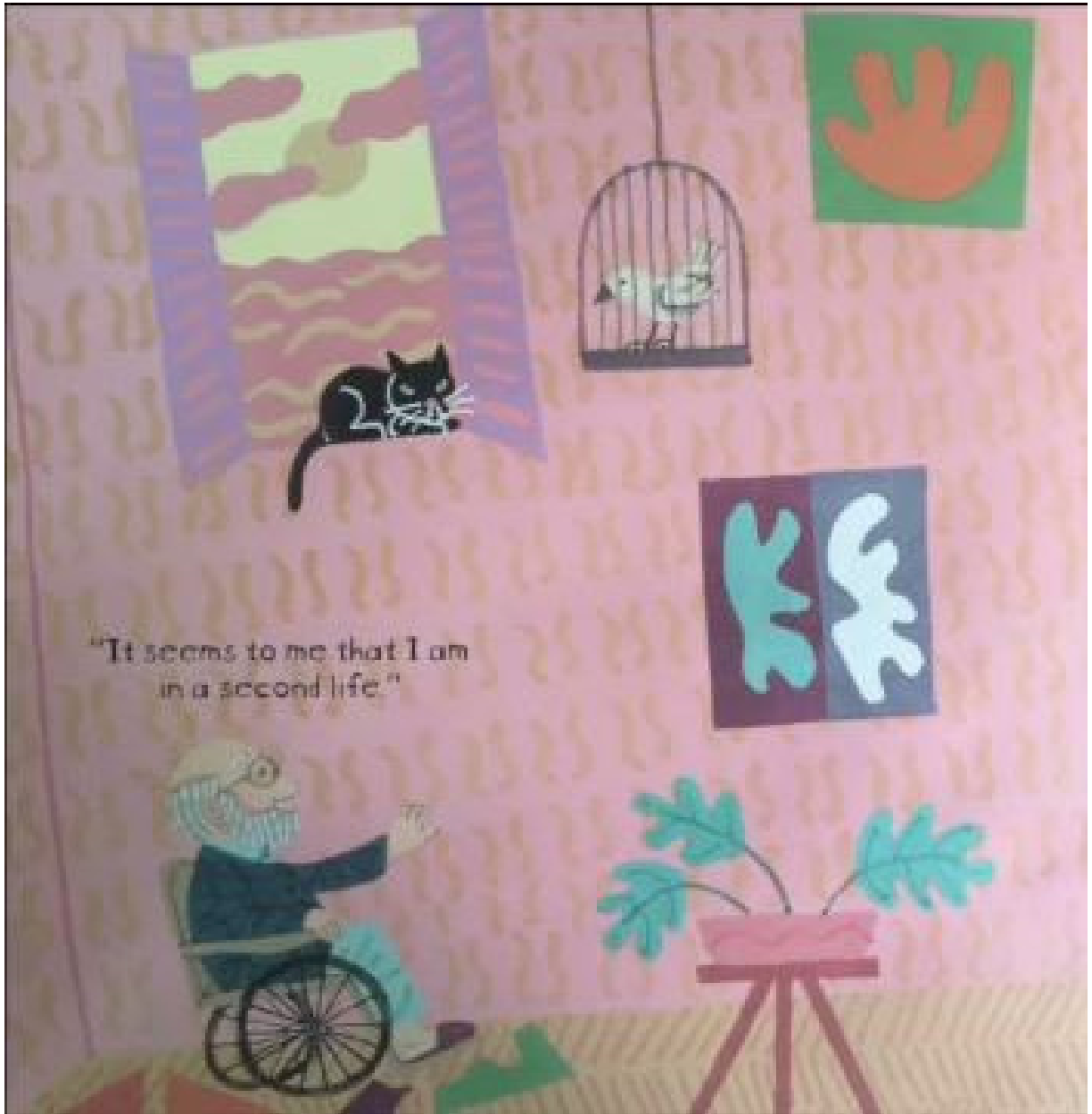


Matisse cut paper all day.

“My pleasure in cutting things out grows even greater.

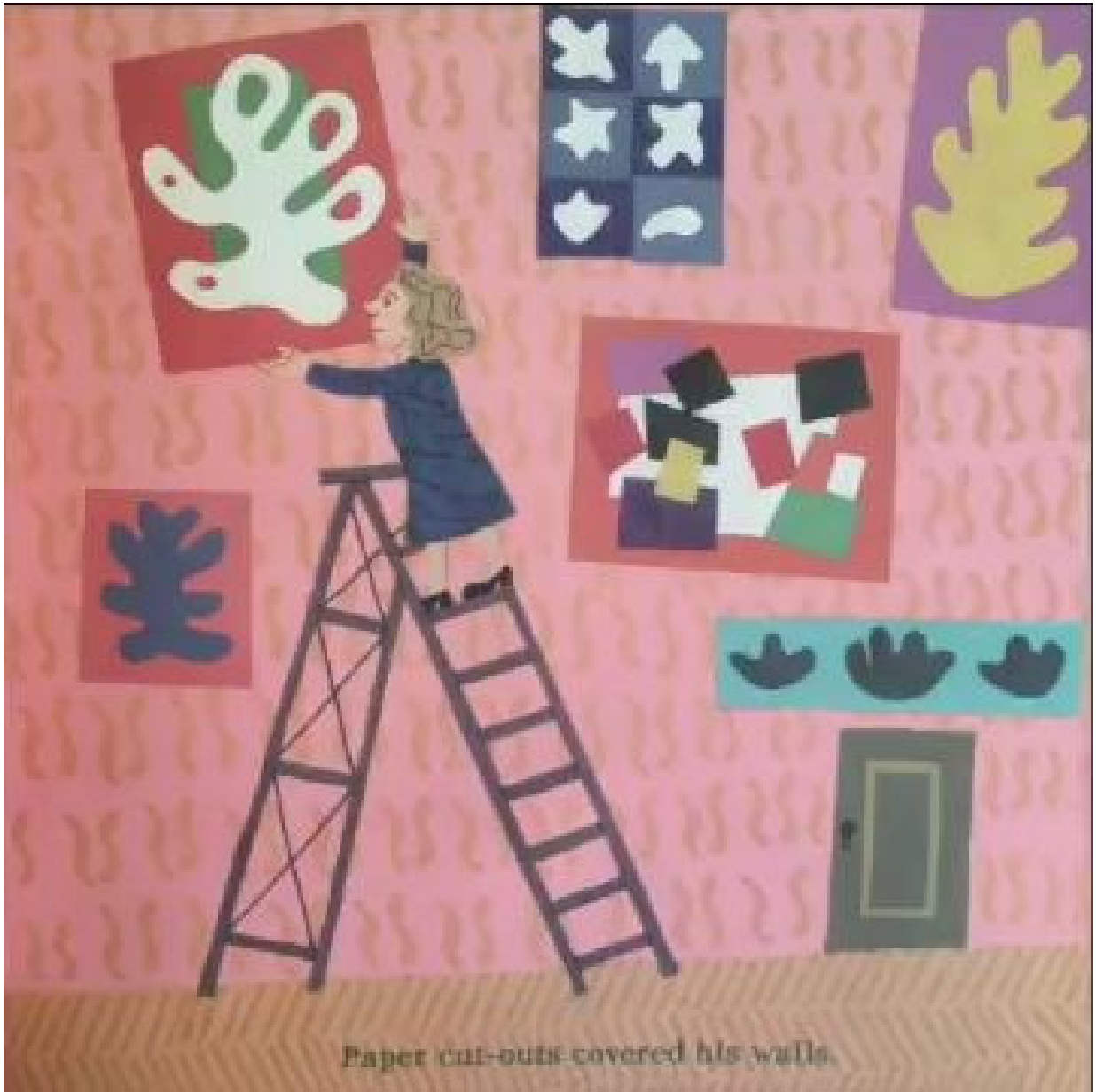
Why didn't I think of it earlier?”

फिर दिन भर मतीस कागज़ काटता रहता. “कागज़ काटकर चित्र बनाने का मेरा मज़ा, दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है. मेरे दिमाग में यह ख्याल पहले क्यूं नहीं आया?”



His assistants painted paper for him all day.

मतीस के सहायक दिन भर उसके लिए कागज़ रंगते रहते.

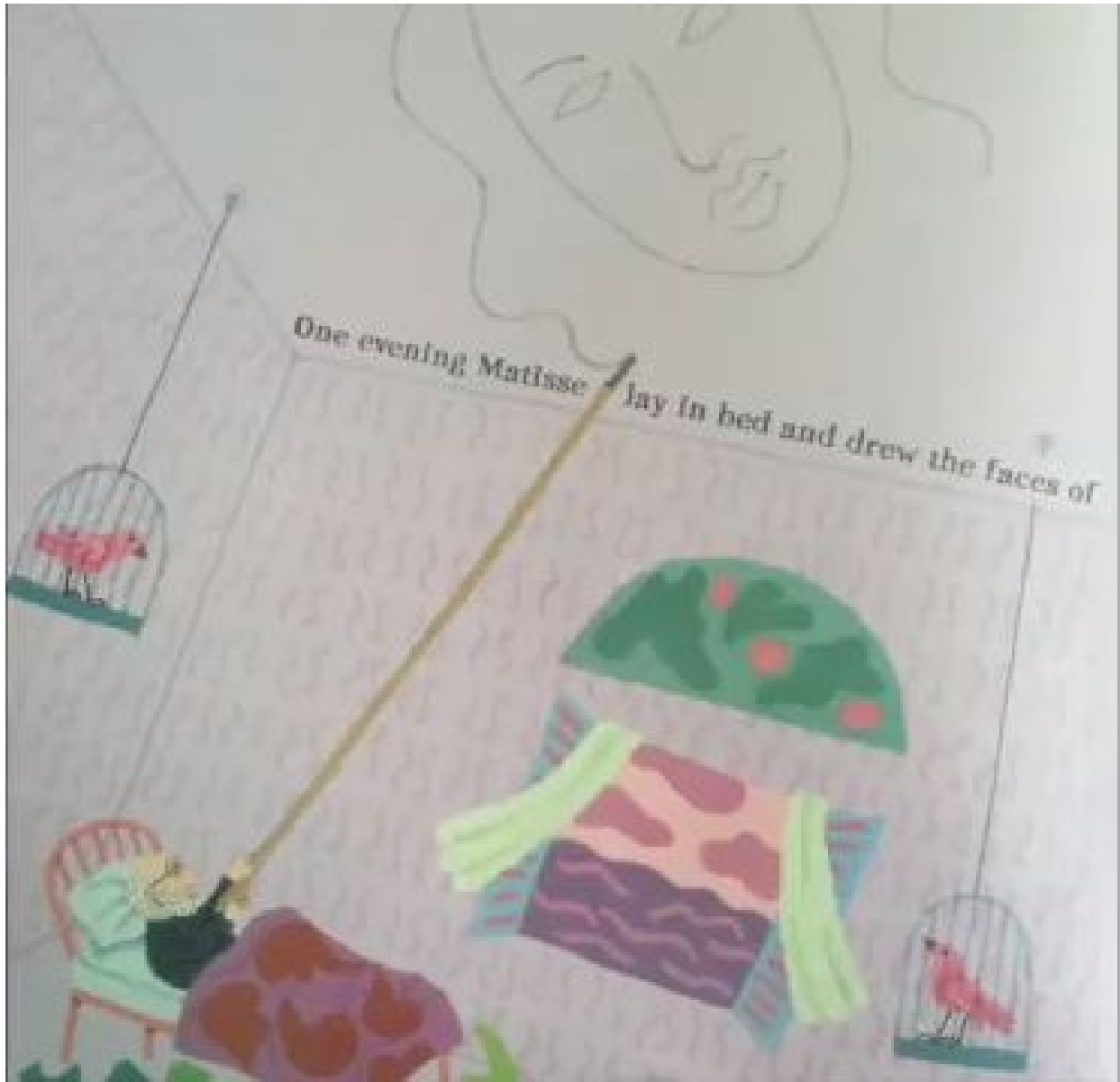


“It seems to me that I am in a second life.”

Paper cuts covered his walls.

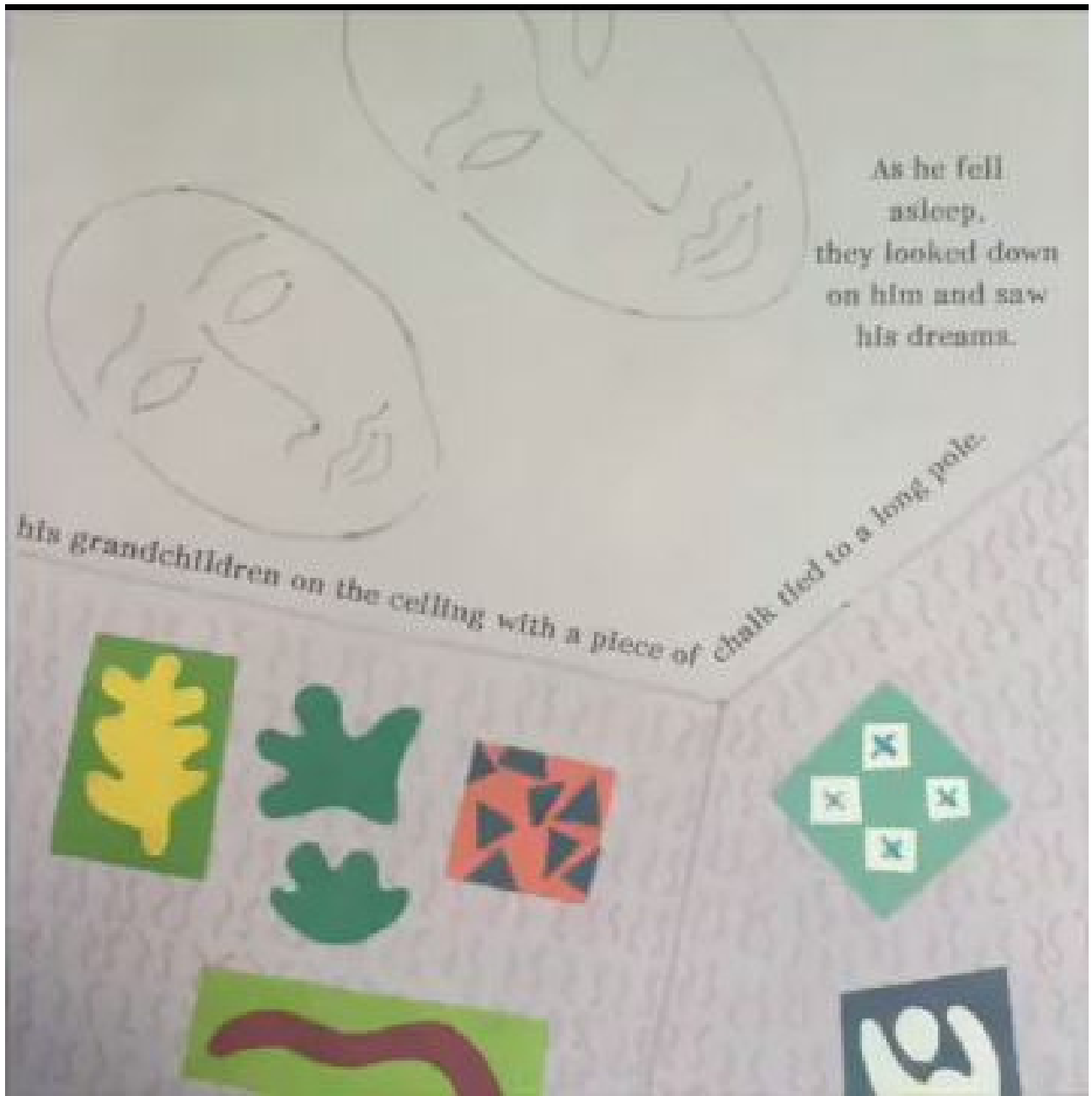
“मुझे लगता है जैसे मैं दूसरी ज़िन्दगी जी रहा हूँ.”

पूरी दीवार उसके द्वारा काटे कागज़ के आकारों से सजी थी.



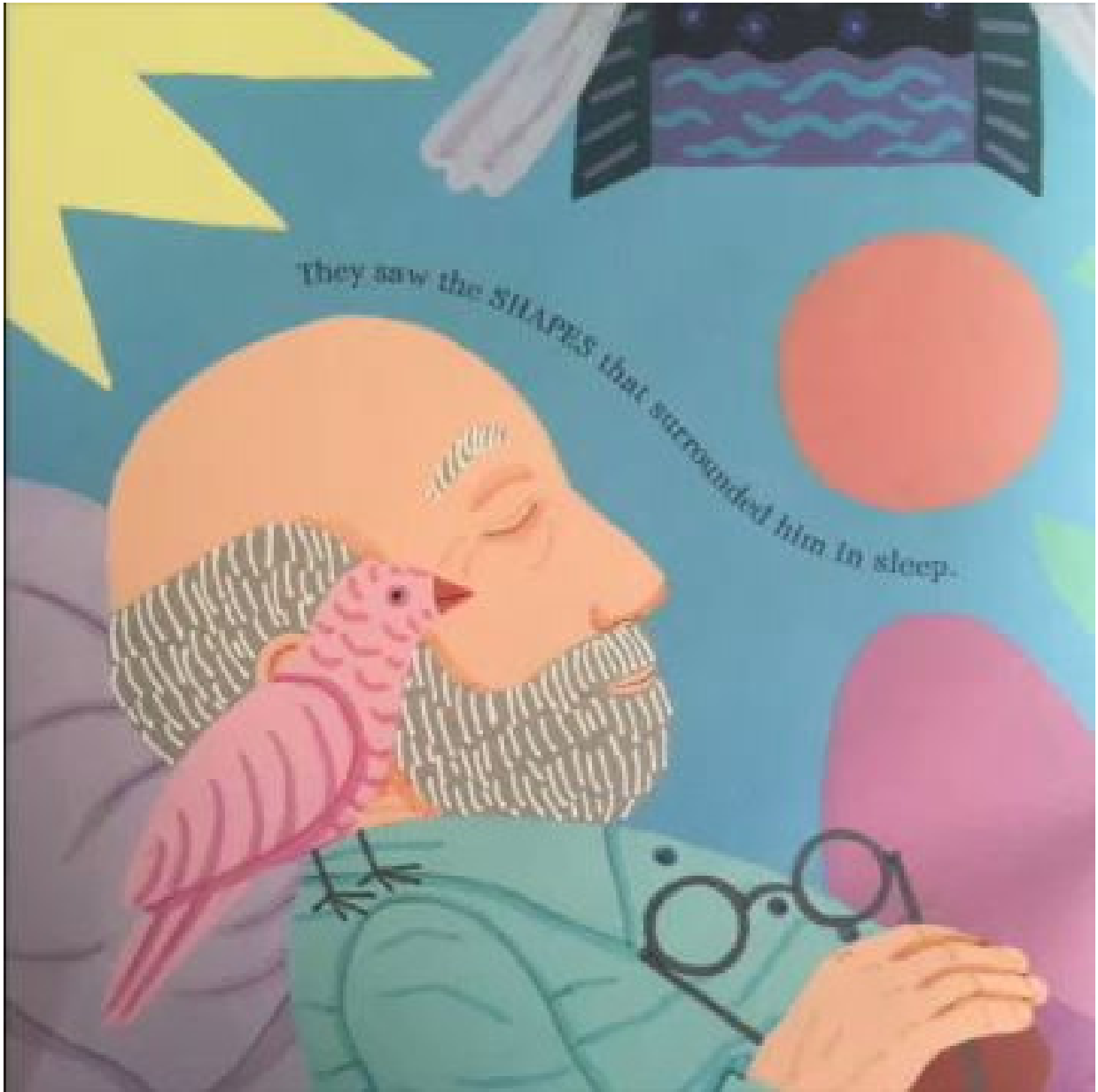
One evening Matisse lay in bed and drew the faces of his grandchildren on the ceiling with a piece of chalk tied to a long pole.

एक दिन मतीस ने पलंग पर लेटे-लेटे बांस में चाक बाँधी और उससे सीलिंग पर अपने नाती-पोतों के चित्र बनाये.



As he fell asleep, they looked down on him and saw his dreams. They saw the SHAPES that surrounded him in sleep.

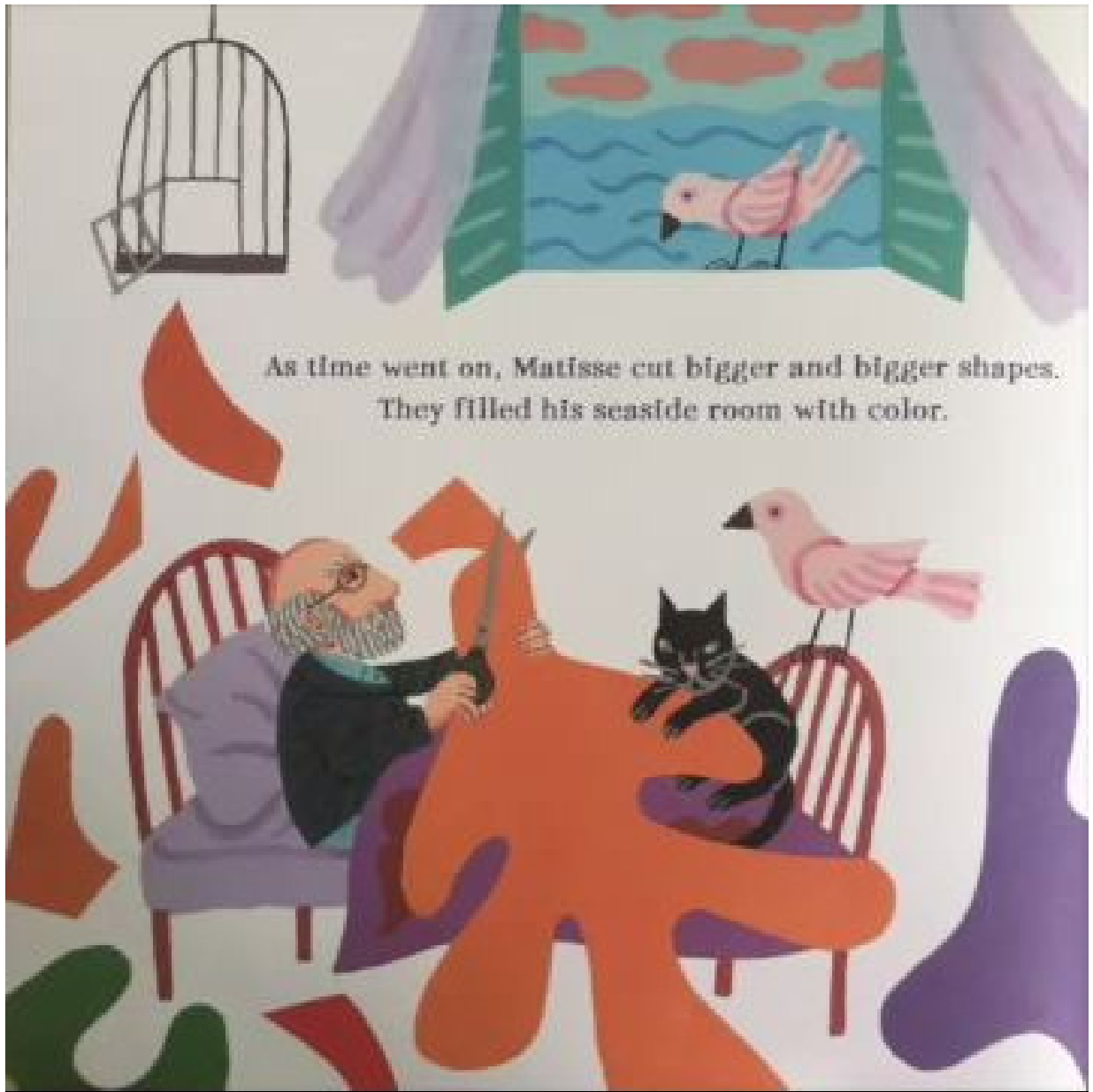
जब मतीस सो गया तब नाती-पोतों ने, नीचे मतीस, और उसके सपनों को देखा. उन्होंने उन आकारों और चित्रों को देखा जो मतीस को नींद में दिखाई देते थे.



As time went on, Matisse cut bigger and bigger shapes.

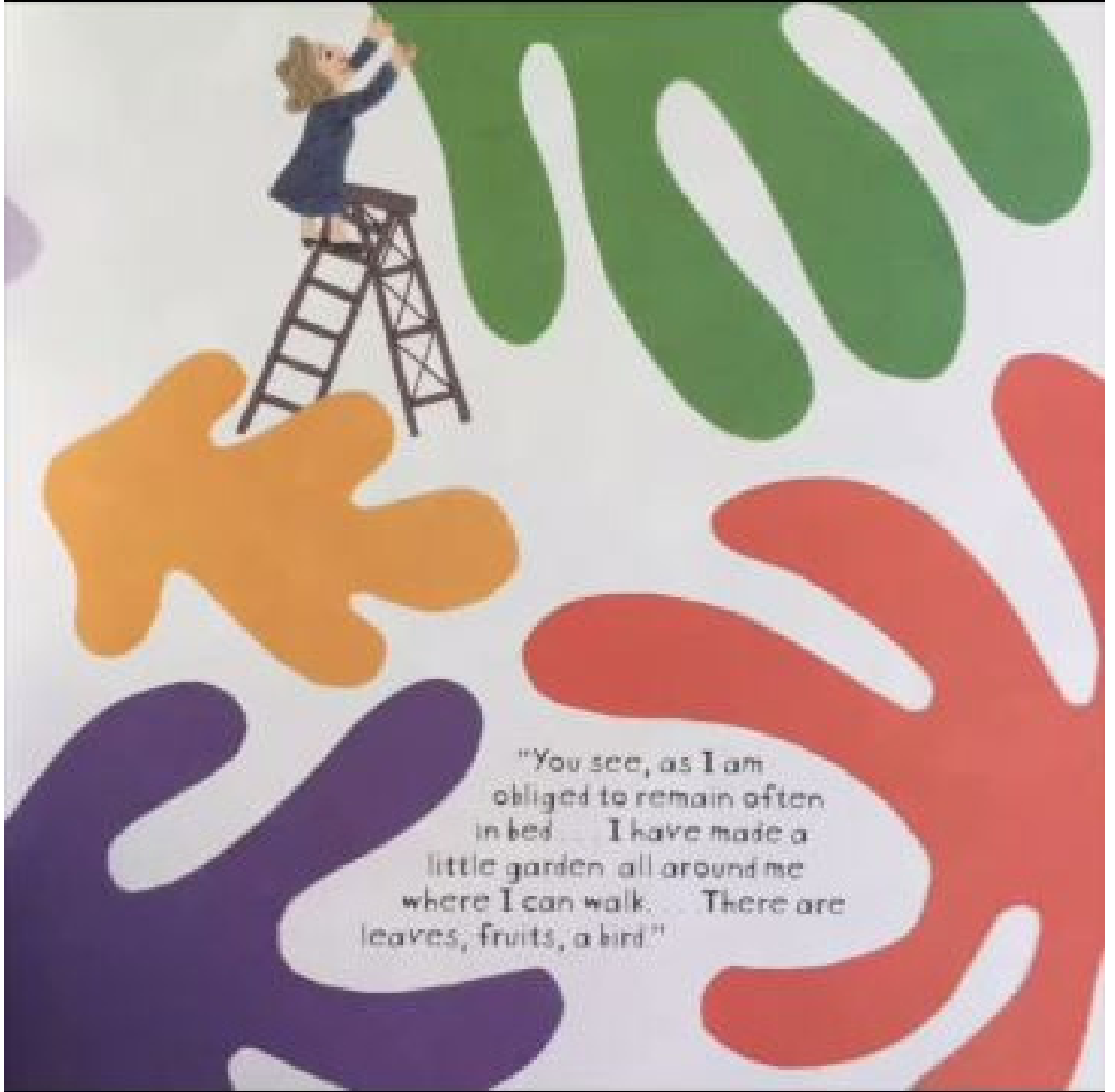
They filled his seaside room with color.

समय बीतने के साथ मतीस बड़े, और बड़े कागज़ के आकार काटने लगा. समुद्र के पास स्थित उसका कमरा उनके रंगों से भर गया.



“You see, as I am obliged to remain often in bed ... I have made a little garden all around me where I can walk ... There are leaves, fruits, a bird.”

“देखो, क्यूंकि मैं अक्सर पलंग पर ही लेटा रहता हूँ ... इसलिए मैंने अपने चारों ओर एक बगीचा बनाया है, जिसमें मैं टहल सकूँ .. मेरे बाग में पत्ते, फल और पक्षी हैं.”



"You see, as I am
obliged to remain often
in bed . . . I have made a
little garden all around me
where I can walk. . . There are
leaves, fruits, a bird."

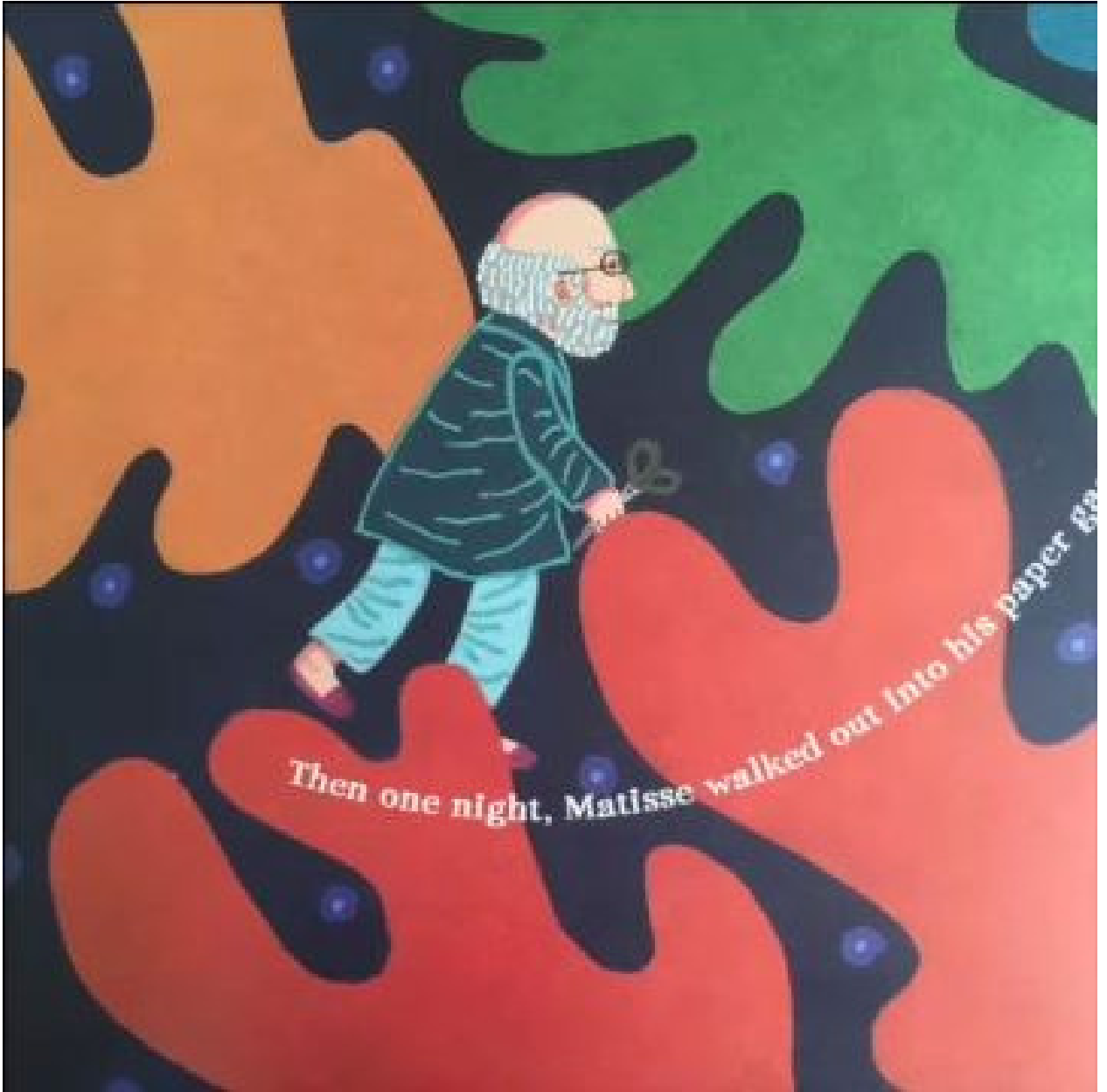
"I am deeply contented, happy."

"मैं अब बेहद संतुष्ट और खुश हूँ."



Then one night, Matisse walked out into his paper garden,

फिर एक रात मतीस अपने कागज़ के बगीचे में सदा के लिए टहलने निकल पड़ा.



and the rainbow of shapes cradled the old artist and carried him into the heavens.

कागज़ के बने उन रंग-बिरंगे आकारों ने उस बूढ़े चित्रकार को झोंका दिया और उसे स्वर्ग में ले गए.



Are some of the stars we see at night coming to us from Henri's scissors? Perhaps.

रात में दिखने वाले कुछ सितारों की रोशनी, कहीं हेनरी की कैंची से तो नहीं आती? शायद.